आँकलन, मापन और मूल्यांकन

मापन दो प्रकार का होता है–गुणात्मक मापन (Qualitative Measurement) और मात्रात्मक मापन (Quantitative Measurement)। गुणात्मक मापन और मात्रात्मक मापन में मूल अन्तर यह होता है कि गुणात्मक मापन का आधार मानदण्ड (Norms) होते हैं जो निश्चित और सर्वमान्य नहीं होते और मात्रात्मक मापन का आधार इकाइयाँ (Units) होती हैं जो निश्चित ओर सर्वमान्य होती हैं। इनमें दूसरा बड़ा अन्तर यह होता है कि गुणात्मक मापन अपने पूर्ण रूप में नहीं किया जा सकता जबकि मात्रात्मक मापन पूर्ण इकाइयों के रूप में किया जा सकता है। चूँकि गुणात्मक मापन अपने पूर्ण रूप में नहीं किया जा सकता, उसका कुछ मानदण्डों के आधार पर अनुमान ही लगाया जा सकता है इसलिए कुछ विद्वान गुणात्मक मापन को आँकलन (Assessment) कहते हैं। अब यदि हम आँकलन को परिभाषित करना चाहें तो इस प्रकार कर सकते हैं–

आँकलन वह प्रक्रिया है जिसके द्वारा किसी वस्तु, प्राणी अथवा क्रिया की किसी विशेषता को कुछ मानदण्डों के आधार पर देखा-परखा जाता है और उसे मानक शब्दों अथवा चिह्नों में प्रकट किया जाता है। और यदि मात्रात्मक मापन को ही मापन (Measurement) के रूप में लिया जाता है तो मापन को निम्नलिखित रूप में परिभाषित करना चाहिए–

मापन वह प्रक्रिया है जिसके द्वारा किसी वस्तु, प्राणी अथवा क्रिया की किसी विशेषता को निश्चित इकाई अंकों में मापा जाता है और उसे उसी निश्चित इकाई अंकों में प्रकट किया जा सकता है।

यदि गुणात्मक मापन को आँकलन (Assessment) और मात्रात्मक मापन को मापन (Measurement) के रूप में अलग-अलग किया जाता है तो आँकलन, मापन और मूल्यांकन में निम्नलिखित अन्तर होगा–

	आँकलन (Assessment)	मापन (Measurement)	मूल्यांकन (Evaluation)
1.	आँकलन में किसी वस्तु, प्राणी अथवा क्रिया की किसी विशेषता को कुछ मानदण्डों के आधार पर देखा-परखा जाता है और उसे मानक शब्दों अथवा चिह्नों में प्रकट किया जाता है।	मापन में किसी वस्तु, प्राणी अथवा क्रिया की किसी विशेषता को निश्चित इकाई अंकों में मापा जाता है और उसे उसी इकाई अंकों में प्रकट किया जाता है।	मूल्यांकन में आँकलन अथवा मापन से प्राप्त परिणामों की व्याख्या की जाती है।
2.	आँकलन की प्रक्रिया के चार पद होते हैं।	मापन प्रक्रिया के भी चार पद होते हैं।	मूल्यांकन प्रक्रिया में आँकलन और मापन के चार पदों के अतिरिक्त तीन पद और होते हैं।
3.	आँकलन की प्रक्रिया में साक्षों को एकत्रित किया जाता है।	मापन की प्रक्रिया भी साक्षों के आधार पर आगे बढ़ती है।	मूल्यांकन की प्रक्रिया में साक्षों का विश्लेषण किया जाता है।
4.	आँकलन से प्राप्त परिणामों के आधार पर किसी वस्तु, प्राणी अथवा क्रिया के बारे में कोई स्पष्ट धारण नहीं बनाई जा सकती।	मापन से प्राप्त परिणामों के आधार पर भी किसी वस्तु, प्राणी अथवा क्रिया के बारे में कोई स्पष्ट धारणा नहीं बनाई जा सकती।	मूल्यांकन द्वारा प्राप्त परिणामों के आधार पर किसी वस्तु, प्राणी अथवा क्रिया के बारे में स्पष्ट धारणा बनाई जा सकती है।

Scanned with CamScanner

5.	आँकलन से प्राप्त परिणामों के आधार पर दो या दो से अधिक वस्तुओं, प्राणियों अथवा क्रियाओं की तुलना नहीं की जा सकती।	मापन से प्राप्त परिणामों के आधार पर दो या दो से अधिक वस्तुओं, प्राणियों अथवा क्रियाओं के बीच तुलना तो की जा सकती है परन्तु एकदम सही रूप में नहीं ।	मूल्यांकन द्वारा प्राप्त परिणामों के आधार पर दो या दो से अधिक वस्तुओं, प्राणियों अथवा क्रियाओं में सही तुलना की जा सकती है।
6.	आँकलन से प्राप्त परिणामों के आधार पर सही वर्गीकरण नहीं किया जा सकता।	मापन से प्राप्त परिणामों के आधार पर एकदम सही वर्गीकरण नहीं किया जा सकता।	मूल्यांकन से प्राप्त परिणामों के आधार पर सही रूप में वर्गीकरण किया जा सकता है।
7.	आँकलन से प्राप्त परिणामों के आधार पर किसी व्यक्ति के विषय में भविष्यवाणी नहीं की जा सकती।	मापन से प्राप्त परिणामों के आधार पर भी किसी व्यक्ति के विषय में भविष्यवाणी नहीं की जा सकती।	मूल्यांकन से प्राप्त परिणामों के आधार पर किसी व्यक्ति के विषय में भविष्यवाणी की जा सकती है।

Scanned with CamScanner